Sanskrita Ke Bina Jnana Apurna

संस्कृत के बिना ज्ञान अपूर्ण

Document Information

Text title : Sanskrita Ke Bina Jnana Apurna

File name : sanskRRitakebinAjnAnaapUrNa.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc_z_misc_general

Author : Vasudev Dwivedi Shastri

Proofread by : Mandar Mali

Description/comments : Sanskrita Prachara Pustaka Mala Sangraha 37

Acknowledge-Permission: Uttara Pradesha Sarvabhauma Sanskrit Prachar Karyalaya

Latest update : May 19, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

May 19, 2024

sanskritdocuments.org

संस्कृत के बिना ज्ञान अपूर्ण

दुनिया भर की आप भले ही सब भाषायें जानें
किन्तु बिना संस्कृत के निज को अज्ञानी ही मानें । ०
हिन्दी या अंग्रेजी, उर्दू, फ्रेञ्च, जर्मनी भाषा,
सबमें आप निपुण हों मेरी यही परम अभिलाषा,
पर सबके पहले आवश्यक है संस्कृत का ज्ञान,
इसके बिना अधूरी शिक्षा और सुदुर्लभ मान,
अपनी इस विस्मृत सम्पद् को अब से भी पहचानें,
इसके बिना आप अपने को अज्ञानी ही मानें । १
भारत का विद्वान न जाने वेदों का कुछ सार,
नहीं कण्ठ में जिनके संस्कृत-कविता-मुक्ताहार,
भारतीय दर्शन का जिनको मिला न कुछ आभास,
उनका देश-विदेशों में हो क्यों न भला उपहास ?
यह कलङ्क है बड़ा, आप अब आयें इसे मिटाने,
इससे रहना हीन नहीं है अच्छा, निश्चित मानें । २

– रचयिता - श्री. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री

Proofread by Mandar Mali

Sanskrita Ke Bina Jnana Apurna
pdf was typeset on May 19, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*